सांध्य दैनिक

# 4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 165 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शनिवार, 22 जुलाई, 2023

मूल्य ₹ 3/-


जिद...सच की

यदि आप दृढ़ संकल्प और पूर्णता के साथ काम करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।
-धीरूभाई अंबानी


500वें टेस्ट में कोहली का 'विराट'... 7 | पूरे तेवर में आया इंडिया, पूछेगा... 3 | सत्ता के संरक्षण में यूपी में हो रहे... 2


# अब तो चेत जाओ सरकार सुन लो चीत्कार

## विपक्ष के निशाने पर आई मोदी सरकार

## मणिपुर में सीएम को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग

- » नहीं रुक रही हिंसा, सेना का फ्लैग मार्च जारी
- » पीड़िता का परिवार सदमे में लगाई न्याय की गुहार
- » पांचवां आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर घटना का विवाद अभी थमने का नाम नहीं ले रहा है। वहां पर अब भी हिंसा भड़की हुई है पर मुख्यमंत्री स्थिति को संभाल नही पा रहे हैं। वहीं विपक्ष से लेकर राज्य की राज्यापल तक हालात पर चिंता व्यक्त कर रहे और राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं जबकि केंद्र सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। ज्ञात हो कि मई में शुरू हुई हिंसा में अब तक 170 से ज्यादा लोग अपनी जान से हाथ धो बैठें।

मणिपुर वायरल वीडियो मामले में पुलिस ने शनिवार (22 जुलाई) को एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। महिलाओं के साथ हुई बर्बरता के मामले में ये पांचवी गिरफ्तारी की है। इस बीच राजधानी इम्फाल से एक बार फिर से हिंसा की खबर सामने आई है। इंफाल के गढ़ी इलाके में महिला प्रदर्शनकारियों ने मेन रोड को दोनों तरफ से ब्लॉक कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने रोड पर टायर जलाए और पुलिस को कार्रवाई करने से रोक दिया। सूचना मिलते ही मणिपुर की सशस्त्र पुलिस, सेना और त्वरित कार्य बल के जवान मौके पर पहुंचे। सुरक्षा बलों ने तुरंत एक्शन लेते हुए स्थिति को अपने नियंत्रण में लिया। रोड पर जलाए गए टायरों इत्यादि को भी बुझा दिया गया. प्रदर्शनकारियों को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस और सुरक्षाबलों ने विभिन्न इलाकों में संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च किया है।

मणिपुर में महिला को निर्वस्त्र घुमाने के मामले में पुलिस ने पांचवें आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है. जबकि वीडियो में दिख रहे अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। बता दें कि इस वीडियो के सामने आने के बाद पीएम मोदी ने इसकी निंदा करते हुए इस घटना को शर्मनाक बताया। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया था कि इस घटना में जितने भी आरोपी शामिल हैं उन्हें जल्द ही पकड़कर कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। बाद में सूबे के मुख्यमंत्री ने पुलिस को इन आरोपियों को गिरफ्तार करने और पूरे मामले की जांच करने के आदेश भी दिए थे।

## क्या बीजेपी अब मणिपुर फाइल्स फिल्म बनाकर देखेगी : उद्धव

मणिपुर हिंसा को लेकर उद्धव गुट की शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जबरदस्त निशाना साधा है। मणिपुर हिंसा पर प्रधानमंत्री मोदी के मौन होने के बाद सामना में सवाल करते हुए लिखा गया है कि कश्मीर फाइल्स की तरह ही क्या अब बीजेपी मणिपुर फाइल्स बनाकर देखेगी? सामना में आगे लिखा गया है कि मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने वाले वीडियो पर पीएम ने जो थोड़ा बहुत भी बोला वो मूल मुद्दे को भटकाने वाला है। महिलाओं का केरल में धर्मांतरण, उनका आइसिस से कनेक्शन आदि को लेकर द केरल स्टोरी बनाई गई,'द कश्मीर फाइल्स' एक एजेंडे की तरह निर्माण की गईं।

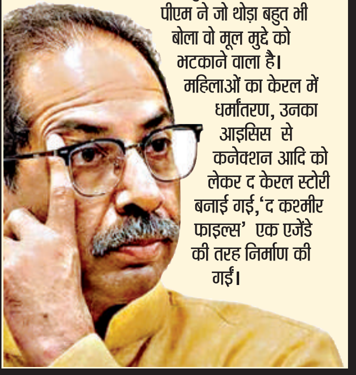

## पहले भी लग चुका है राष्ट्रपति शासन

1993 में मणिपुर में दो तरह की जातीय हिंसा भड़क गई। एक ओर मुस्लिम पंगल समुदाय और मैतई हिंदू आपस में भिड़े थे। वहीं, दूसरी ओर कुकी और नागा समुदाय के बीच भी जमकर हिंसा हो रही थी। 3 मई 1993 से पंगल मुस्लिम और मैतई हिंदुओं के बीच शुरू हुई हिंसा 5 मई को खत्म हो गई। 2 दिनों तक चली इस हिंसा में करीब 130 लोग मारे गए थे। वहीं, जनवरी 1993 में इंफाल से 40 किलोमीटर दूर नागाओं के गांव सदुखरोई पर हुए कुकी समुदाय के हमले के बाद भड़की हिंसा ने विकराल रूप ले लिया। मणिपुर की पहाडियों पर नागा और कूकी के बीच जमकर खून-खराबा होने लगा। 13 सितंबर को नागा आतंकवादियों ने जनवरी महीने में हुई घटना का बदला लगभग 100 कुकियों को मौत के घाट उतारकर लिया। सितंबर महीने तक इस हिंसा में मरने वालों की संख्या 400 हो गई। तब मणिपुर में तैनात भारतीय सेना के 57 माउंटेन डिविजन के मेजर-जनरल ए.के. सेनगुप्ता ने कहा था कि हालात बेहद गंभीर हैं। स्थानीय लोग उग्रवादियों से मिले हुए हैं, यही वजह है कि हिंसा रोक पाना मुश्किल है। इस हिंसा का सिर्फ पॉलिटिकल सॉल्यूशन है। जब हालात हाथ से निकलने लगे तो खुद उस समय के सीएम दोरेंद्र सिंह ने केंद्र की नरसिम्हा राव सरकार से राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की। इसके बाद 31 दिसंबर 1993 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा, जो अगले साल यानी 13 दिसंबर 1994 तक जारी रहा। तब जाकर मणिपुर में शांति स्थापित हुई।

## सीएम को बर्खास्त कर, राष्ट्रपति शासन लगाएं : सिब्बल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने मणिपुर में शांति कायम करने का रास्ता बताया है। सिब्बल ने शनिवार को कहा कि मणिपुर में आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को बर्खास्त करना और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाना है। सिब्बल ने एक ट्वीट में कहा, आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता, बीरेन सिंह को बर्खास्त करना, धारा 356 लागू करना, हमारे देश की महिलाओं से माफी मांगना। सिब्बल ने कहा, निर्भया के बाद से कुछ भी नहीं बदला है। उन्नाव, हाथरस, कठुआ, बिलकिस (दोषियों की रिहाई)। बेटी बचाओ पीएम जी!

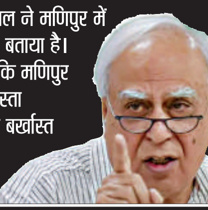

## पीड़िता के पति ने सुनाई आपबीती, मां सदमे में

इस घटना को लेकर पीड़ित महिला के पति ने एक बयान दिया है। पति ने कहा कि भीड़ मेरी पत्नी पर जानवरों की तरह टूट पड़ी थी। उन्होंने कहा कि जिस दिन ये हुआ वो मेरे लिए सबसे दर्दनाक दिन था। उनकी पत्नी को भीड़ अपने साथ अलग से लेकर गई। उन्हें जबरदस्ती कपड़े उतारने के लिए भी मजबूर किया गया। पीड़ित महिलाएं और उनका परिवार सदमे में है। आरोपियों ने एक महिला के साथ हैवानियत की हरकत करने से पहले उसके पिता और भाई को उसके सामने मार डाला था। पीडिता की मां ने कहा कि तबाह हुए परिवार के कभी भी अपने गांव लौटने की कोई संभावना नहीं है। पीड़ित महिला की मां गहरे सदमे में हैं।

## अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल करे केंद्र

बता दें कि अनुच्छेद 356 के अनुसार, किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन तब लगाया जा सकता है जब ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाए कि राज्य का शासन संविधान के प्रावधानों के अनुसार नहीं चलाया जा सके। मणिपुर में चार मई का एक वीडियो वायरल होने के बाद बुधवार को तनाव और बढ़ गया, जिसमें एक संघर्षरत समुदाय की दो महिलाओं को दूसरे पक्ष के पुरुषों के एक समूह द्वारा नग्न घुमाते हुए दिखाया गया है।

## मैंने जिंदगी में इतनी हिंसा नहीं देखी : राज्यपाल

मणिपुर के हालात पर वहां की राज्यपाल अनुसुइया उइके को कहना पड़ा- अपनी पूरी जिंदगी में मैंने कभी इतनी हिंसा नहीं देखी है। उन्होंने कहां 70 हजार लोग बेघर हो गए। 5 हजार से ज्यादा आगजनी की घटनाएं हुईं। करीब 170 लोगों की मौत हो गई। महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाया जा रहा है। ये शर्मनाक है।

## पीएम ने की राजस्थान के स्वाभिमान पर चोट : गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक जयपुर में कहा कि मुझे अफसोस है मणिपुर जल रहा है। 150- 200 लोग मारे गए, किसी को पता नहीं 500, 1000 भी मर गए होंगे। पर पीएम राजस्थान पर राजनीति कर रहे हैं, जिस प्रकार प्रधानमंत्री ने ब्रीफ किया और उन्होंने दुख प्रकट किया और कहा कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मणिपुर के मुख्यमंत्री को मैं कहना चाहूंगा कि आप शांति बनाए रखें। यह प्रधानमंत्री की राजस्थान के स्वाभिमान पर चोट है।

# सत्ता के संरक्षण में यूपी में हो रहे अपराध

## » अखिलेश बोले- महिलाओं से दुष्कर्म के मामले में उप्र ने बनाया रिकॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में सत्ता के संरक्षण में अपराध हो रहे हैं। प्रदेश में अपराधी बेखौफ हैं, जनता सहमी हुई है। उन्होंने कहा कानून व्यवस्था ध्वस्त है। लूट, चेन स्नेचिंग, अन्याय, अत्याचार से महिलाएं, बेटियां और आमजन परेशान हैं। महिलाओं से दुष्कर्म के मामले में उत्तर प्रदेश ने रिकॉर्ड बना रखा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार दावा करती है कि महिलाएं रात में बेखौफ होकर गहने पहन कर निकल सकती है। लेकिन, बेखौफ लूटेरे लगातार महिलाओं को दिन दहाड़े लूट रहे हैं।

गोरखपुर के गिरधरगंज में दस लाख की लूट हो गई। कानपुर में महीने भर में चेन स्नेचिंग की दस से ज्यादा लूट की घटनाओं से हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। राजधानी लखनऊ में लूट की कई घटनाएं हो चुकी है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में सत्ता संरक्षण में अपराधी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है। पुलिस मूक दर्शक बनी है। अखिलेश यादव से जब मीडिया ने जयंत चौधरी को लेकर चल रही अटकलों पर सवाल किया तो वे भड़क गए।

### यूपी में बन रहे भ्रष्टाचार एक्सप्रेसवे

अखिलेश ने हाईवे पर जानवरों का वीडियो अपलोड करते हुए कहा ट्वीट किया कि सड़क यात्रा की गति धीमी होना प्रदेश की प्रगति की गति धीमी होने के बराबर है। अन्ना पशुओं की समस्या को जब तक भाजपा सरकार प्रदेश के विकास की समस्या के रूप में नहीं समझेगी, तब तक कोई समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को हिचकोलों भरे जिस सफर का अनुभव हुआ, उसे देखते हुए उत्तर प्रदेश की नाम बदलजीवी सरकार का नाम बदलकर भ्रष्टाचार एक्सप्रेसवे कर देना चाहिए।

उन्होंने मीडिया कर्मियों से कहा कि आप लोग चंडुखाने की गप्प मत चलाया करो। तंज कसते हुए अखिलेश ने कहा कि आपका तो लगता है, कैमरा भी अच्छा है और मोबाइल भी अच्छा है। लेकिन आप चंडुखाने की गप्प क्यों चला रहे हो? अखिलेश यादव ने ओम प्रकाश राजभर और दारा सिंह चौहान से जुड़े सवालों पर उन्हें स्वार्थी करार दे दिया। अखिलेश ने दारा सिंह चौहान के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर कहा कि जो स्वार्थ में हो, उसे सिद्धांतों से क्या लेना-देना? दरअसल, अखिलेश यादव ने दारा सिंह चौहान को यूपी चुनाव 2022 से पहले पार्टी में शामिल कराया था। उस समय दारा सिंह चौहान योगी सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री के पद पर काम कर रहे थे। वहीं, ओम प्रकाश राजभर को लेकर भी उन्होंने इसी प्रकार की प्रतिक्रिया दी।

### समाजवादी महिला सभा ने निकाला कैंडल मार्च

समाजवादी महिला सभा ने मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई वीभत्स और अमानवीय घटना के विरोध में पूरे प्रदेश में कैंडल मार्च निकाला। महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने कहा कि दरिंदों को फांसी मिलनी चाहिए। दो माह पहले हुई घटना के सभी आरोपियों की अभी तक गिरफ्तारी न होना बताता है कि सरकार और उसकी मशीनरी ने इस घटना को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई। मणिपुर में जो हुआ, वह हर भारतवासी के लिए शर्म की बात है। लोकतंत्र में इस तरह की घटनाओं की कभी कोई जगह नहीं हो सकती।

# गरीब का राज होगा और खून के आंसू रोएगा अमीर : चंद्रशेखर

## » यूसीसी लागू हुआ तो ईंट से ईंट बजा देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर भीम आर्मी की तरफ से शक्ति प्रदर्शन किया गया। जंतर-मंतर से चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि हम इस देश में मांगने के लिए पैदा नहीं हुए। जिसने मेरा साथ दिया उसके लिए खून का कतरा- कतरा बहा दूंगा, जिसने फंसाया उसे माफ कर दूंगा। आजाद ने कहा कि गरीब इस देश में राज करेगा, अमीर खून का आंसू रोएगा। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि मैं दलित समाज में पैदा हुआ, मेरा समाज सम्राट अशोक की तरह ग्रेट है।

इस महारैली का मकसद 28 जून को चंद्रशेखर आजाद पर हुए हमले का विरोध करना और घटना की जांच की मांग करना था। देशभर के अलग-अलग राज्यों से भीम आर्मी संगठन से जुड़े कार्यकर्ता जंतर-मंतर पहुंचे और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि गरीब कमजोरों की लड़ाई लड़ने आया हूं, पहले किसी दलित कमजोर लड़की की चुन्नी खींत देते थे, मूंछ मुंडवा देते थे, पगड़ी उतरवा देते थे, अब ऐसा नहीं कर पाएंगे।

# विशेष राज्य का दर्जा होता तो और आगे होता बिहार : बिजेंद्र यादव

## » नीति आयोग का खुलासा - बिहार में गरीबी में रिकॉर्ड कमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। योजना और विकास विभाग मंत्री मंत्री बिजेंद्र यादव ने कहा कि अगर बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग मान ली गई होती, तो राज्य ने और शानदार प्रगति की होती। इस दर्जे के लिए हमारी मांग जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने बहुआयामी पैरामीटर्स पर शानदार प्रगति के लिए खुद अपने संसाधनों को जुटाया।

नीति आयोग की रिपोर्ट में भी इसका पता चला है। बिहार में गरीबी को लेकर नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट में बड़ा अपडेट सामने आया है। इसके मुताबिक, बिहार में इस बार गरीबी दर में रिकॉर्ड कमी आई है। देश के टॉप बहुआयामी गरीबी सूचकांक के आधार पर तैयार की गई नीति आयोग की रिपोर्ट में बिहार ने बड़ी छलांग लगाई है। 2015-16 और 2019-21 के बीच बिहार ने सभी राज्यों में सबसे अधिक गरीबी में कमी हासिल की है। इस दौरान 2.25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं।

### 13.51 करोड़ लोगों में से 16.65 फीसदी बिहारी गरीबी से निकले

रिपोर्ट में कहा गया कि राष्ट्रीय स्तर पर गरीबी रेखा से बाहर निकले 13.51 करोड़ लोगों में से 16.65 फीसदी बिहार से थे। गरीबी कम करने वाले राज्यों की लिस्ट में जहां बिहार टॉप पर है। वहीं दूसरे नंबर मध्य प्रदेश (15.04प्रतिशत), फिर यूपी (14.75), इसके बाद ओडिशा (13.66) का नंबर है। राजस्थान (13.55) और झारखंड (13.29प्रतिशत) जैसे अन्य राज्यों की तुलना में बिहार की स्थिति में बड़ा सुधार आया है। नीति आयोग ने जिन पैरामीटर्स को परिभाषित किया है उनमें स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवारों का जीवन स्तर शामिल है। 2015-16 में राज्य के 51 फीसदी लोगों को गरीब श्रेणी में रखा गया था। वहीं 2021 तक यह घटकर 33.76 फीसदी हो गया। इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में गिरावट 56 फीसदी से 36.95 फीसदी हो गई है। राष्ट्रीय ग्रामीण गरीबी में कमी 32.59 फीसदी से 19.28 फीसदी हो गई है।

# मणिपुर घटना पर राजनीति अनुचित : मायावती

## » बोलीं-दोषियों को सख्त सजा मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई घटना पर हो रही राजनीति को अनुचित एवं चिंतनीय बताया है। यूपी की पूर्व सीएम ने कहा संसद में इस पर सार्थक चर्चा होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में भी घटना का संज्ञान लिया है जिसे अब दबाया नहीं जा सकता। मणिपुर पर गंभीर होना जरूरी है। उन्होंने इस घटना को शर्मनाक और दिल दहला देने वाली बताया है।

उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा कि भीड़ ने जो दरिंदगी की है वह शर्मनाक तथा दिल को दहलाने देने वाली है। राज्य व केंद्र की सरकार को भी ऐसे आपराधिक तत्वों को इतनी सख्त सजा देनी चाहिए कि इस प्रकार जघन्य अपराध की पुनरावृत्ति ना हो।

### कांग्रेसियों ने मणिपुर सीएम का पुतला फूंका

वहीं मणिपुर हिंसा, महिलाओं व बच्चियों के साथ किए गए अमानवीय कृत्य के विरोध में कांग्रेसियों ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने व मणिपुर सरकार को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। इस दौरान मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का पुतला दहन भी किया। कांग्रेस ने कहा कि मणिपुर के हालात को लेकर सर्वदलीय बैठक बुलाकर स्थितियों को काबू में लाए जाने की ठोस योजना बनाई जाए। प्रदर्शन में पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह, इंदल रावत, दिनेश कुमार सिंह, वेद प्रकाश त्रिपाठी, अशोक सिंह, कृष्णकांत पाण्डेय, अमरनाथ अग्रवाल आदि शामिल थे।

### तत्काल बर्खास्त की जाए मणिपुर सरकार : मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

मुस्लिमल पर्सनल लॉ बोर्ड ने मणिपुर की सरकार की बर्खास्तगी मांग है। महिलाओं के साथ हुई घटना को फासीवादी मानसिकता का नमूना बताते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. एसक्यूआर इलियास ने कहा कि यह घटना बताती है कि जब सरकार के संरक्षण में फांसीवादी मानसिकता, घृणा और पूर्वाग्रहों के साथ बहुसंख्यक आगे बढ़ते हैं तो कैसे-कैसे जुल्म होते हैं। ऐसा हम गुजरात में पहले देख चुके हैं। पिछले नौ साल में सरकार प्रायोजित अल्पसंख्यकों पर यह हिंसा लगातार देखी जा रही है। केंद्र सरकार ने वहां भरोसे की बहाली के लिए समुचित प्रयास नहीं किए।

# पूरे तेवर में आया इंडिया, पूछेगा सवाल!

## विपक्ष ने कसी कमर, मप्र से लेकर मणिपुर तक में सक्रिय

» भाजपा व मोदी सरकार की नींद उड़ाने की तैयारी
» 24 लोस चुनाव होने तक होते रहेंगे सरकार के खिलाफ आंदोलन
» यूपी में जदयू की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया बनाने के बाद विपक्ष पूरे तेवर में है। विपक्ष से जुड़े सभी दल मौका मिलते ही मोदी व बीजेपी सरकार पर हमला बोलने से नहीं चूकते हैं। उनकी आगे की रणनीति भी अब ऐसी ही बन रही है 2024 तक हर मोर्चे पर मोदी सरकार को घेरने की नीति तैयार हो रही। हालांकि सत्ता पक्ष भी कमर कस रहा है विपक्ष पर पलटवार होने की कोई गुंजाइश नही छोड़ रहा है। उधर कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी चुनावी मोड में आ गई हैं। इसी सिलसिले में वह मध्य प्रदेश पहुंच गई हैं। आगामी विधान सभा चुनाव को नजर में रखकर उनका यह दौरा काफी महत्वपूर्ण है। गौरतलब हो कि कांग्रेस वहां पर कई सालों से जमे शिवराज सरकार को उखाड़कर सत्ता पर काबिज होना चाहती है। प्रियंका गांधी ग्वालियर में जनाक्रोश रैली को संबोधित किया। इससे पहले वह रानी लक्ष्मी बाई की समाधि पर गईं। ग्वालियर में उनकी रैली को लेकर कांग्रेस ने बड़ी तैयारी की है। इसके साथ ही पूरे शहर में प्रियंका गांधी के पोस्टर लगे हैं।

लोकसभा चुनाव यूपी में दिलचस्प होने वाला है। एक तरफ भाजपा पूरी ताकत से इस चुनाव में अधिक से अधिक सीटें हासिल करने की कोशिश में है तो दूसरी तरफ विपक्ष भी अपनी तैयारी में है। मोदी सरकार के खिलाफ जुट रहे सभी दलों का संयोजन कर रहे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यूपी से लड़ने की संभावना है। पार्टी की प्रदेश इकाई ने नीतीश कुमार से यूपी से लोकसभा चुनाव लड़ने की अपील की है। उन्होंने बताया की उनके चुनाव लड़ने के लिए अंबेडकर नगर और फूलपुर के साथ कुछ और सीटों का नाम भी सुझाया गया है। इसके मद्देनजर प्रदेश में पार्टी के संगठन को मजबूत करने काम शुरू कर दिया गया है। जिला से लेकर बूथ तक के संगठन का पुनर्गठन किया जा रहा है। जल्द ही प्रदेश के पदाधिकारी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से मिलकर चुनाव को तैयारियों को जानकारी देगा। साथ ही दोबारा उनको यूपी से चुनाव लड़ने का न्योता भी देगा। ऐसी संभावनाएं जताई जा रही हैं कि यूपी में बीजेपी के खिलाफ सपा, कांग्रेस, लोकदल के अलावा कुछ पार्टियों का गठबंधन हो सकता है। बसपा ने साफ कर दिया है कि वह ना तो बीजेपी गठबंधन का हिस्सा बनेगी और ना ही भाजपा के खिलाफ बनने वाले गठबंधन का।

## बेटी बचाओ नारा अब बेटी जलाओ में तब्दील : ममता

ममता बनर्जी ने अपने बयान में कहा कि आपने (बीजेपी) बेटी बचाओ का नारा दिया था, अब आपका नारा कहां है, हम मणिपुर के लोगों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि आज मणिपुर जल रहा है, पूरा देश जल रहा है। मणिपुर के बादल वीडियो को लेकर एक बार फिर से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस के प्रमुख ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा का बेटी बचाओ नारा अब बेटी जलाओ में तब्दील हो गया है। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि आने वाले चुनाव में देश की महिलाएं भाजपा को राजनीति से बाहर कर देंगी। उन्होंने कहा कि पहलवान मामले में (बृज भूषण सिंह) को भी जमानत मिल गई। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में देश की महिलाएं आपको देश की राजनीति से बाहर कर देंगी। उन्होंने कहा कि हम मणिपुर के साथ अपनी एकजुटता जाहिर करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' के बैनर तले केंद्र के खिलाफ सभी प्रदर्शनों का आयोजन करेंगे। ममता ने कहा कि मैं

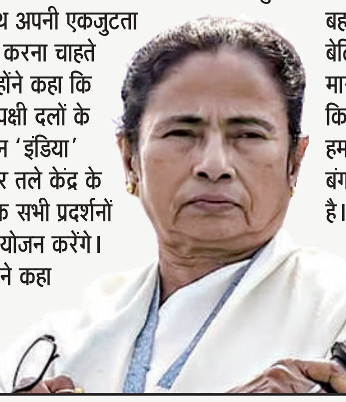

पीएम मोदी से पूछना चाहती हूं कि क्या मणिपुर की घटना से आपको थोड़ा भी दुख नहीं हुआ? उन्होंने कहा कि आप पश्चिम बंगाल पर उंगली उठाते हैं लेकिन क्या आपको बहनों और माताओं से प्यार नहीं है? कब तक बेटियां जलाई जाएंगी, दलित, अल्पसंख्यक मारे जाएंगे, लोग मारे जाएंगे? उन्होंने कहा कि हम मणिपुर नहीं छोड़ेंगे, उत्तर पूर्वी बहनें हमारी बहनें हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल को बदनाम करने की साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि देश के किसान दिक्कत में हैं। ममता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वो देश को बेचना चाहते हैं और हम बचाना चाहते हैं। 2024 में लोकतंत्र की जीत होगी।

## क्या कमजोर सरकार चाहते हैं नीतीश : सुशील मोदी

सुशील कुमार मोदी ने साफ तौर पर पूछा है कि नीतीश कुमार को बताना चाहिए कि क्या केंद्र में उनकी सरकार आने के बाद धारा 370 को फिर से बहाल किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने नीतीश कुमार से कई सवाल पूछे हैं। विपक्षी एकता की बैठक के बाद से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा के निशाने पर जबरदस्त तरीके से हैं। भाजपा नीतीश कुमार पर कोई भी निशाना साधने का मौका नहीं छोड़ना चाहती। कभी नीतीश कुमार के बेहद करीबी माने जाने वाले वरिष्ठ भाजपा नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने एक बार फिर से उन पर प्रहार किया है। सुशील मोदी ने कहा कि क्या नीतीश कुमार केंद्र की सत्ता वे दिन लौटाना चाहते हैं, जब देवगौड़ा-गुजराल जैसे कमजोर प्रधानमंत्री होते थे और सरकार छह-सात महीनों में बदल जाती थी? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को यदि न कोई नाराजगी है, न वे विपक्षी मंच के संयोजक बनना चाहते हैं, बल्कि सिर्फ बदलाव चाहते हैं, तो उन्हें जनता को बताना चाहिए कि क्या-क्या बदलाव चाहते हैं? मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार दरअसल अपनी कुर्सी में बड़ा बदलाव चाहते हैं और उसकी सम्भावना खत्म हो चुकी है। असली पीड़ा यही है। मोदी ने कहा कि क्या विपक्ष दिल्ली में ऐसी सरकार चाहता है, जो सर्जिकल स्ट्राइक न कर सके? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने तो धारा-370, सर्जिकल स्ट्राइक, नोट बंदी और जीएसटी के मुद्दे पर केंद्र सरकार का समर्थन किया था। अब क्या वे अपने फैसले को गलत मानते हैं? मोदी ने कहा कि क्या नीतीश कुमार किसान सम्मान निधि की शुरुआत, फौरी तीन तलाक पर रोक और सामान्य वर्ग के युवाओं को 10 फीसद आरक्षण (ईडब्लूएस कोटा) जैसे ऐतिहासिक फैसले भी बदल देना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि यदि हिम्मत हो, तो नीतीश कुमार ऐलान करें कि यदि उनके मन की सरकार बनी , तो वे जन-धन खाता, वन रैंक-वन पेंशन, गरीबों को मुफ्त राशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएँ बंद करा देंगे। क्या वे यही बदलाव चाहते हैं?

## देश की सभ्यता बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की : प्रियंका

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सेना में ये लोग अग्निवीर स्कीम लेकर आए हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने हरियाणा के कुछ नौजवानों से बात की है। उन्होंने कहा कि वे लोग ट्रेनिंग से वापस लौट रहे हैं। वे सोच रहे हैं कि चार साल बाद बेरोजगार होने के लिए हम इतनी कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। प्रियंका गांधी ने टमाटर की बढ़ती कीमतों पर भी केंद्र सरकार को घेरा है। साथ ही कहा कि महंगाई ने लोगों को कमर तोड़ दी है। मैं यहां फिजूल की बातें नहीं करूंगी। मैं जनात की बात करने आई हूं। जनता के बीच में जाने पर नेताओं को महंगाई और बेरोजगारी पर बात करनी पड़ी है। लोगों को सोचना पड़ेगा कि हमारे देश की सरकार ने एक और दो उद्योगपतियों को देश की संपत्ति बेच दी। आपको रोजगार कैसे मिलेगा। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि देश की सभ्यता बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की हैं। वहीं, प्रधानमंत्री ने विपक्ष के सारे नेताओं को चोर बोल दिया। ये वैसे नेता हैं, जो आम लोगों की बात कर आगे बढ़े हैं। ये उनका अपमान है। प्रधानमंत्री मणिपुर की घटना पर एक लब्ज नहीं बोल पाए। उन्होंने मजबूरी में वीडियो वायरल होने के बाद बोला है। उसमें भी राजनीति की है और विपक्षी सरकारों के नाम लिए। प्रियंका गांधी ने ग्वालियर-चंबल की स्थानीय भाषा में स्पीच की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि हम नेताओं में सभ्यता, सरलता और सादगी ढूंढते हैं। अब परिस्थितियां बदल गई हैं। हम मंच पर आते हैं कि तो एक-दूसरे की बुराई गिनाते हैं। इस बीच जनता के असली मुद्दे डूब जाते हैं। आज देश में बड़े बिजनेसमैन को संपत्ति सौंप दी जा रही है। देश में आजकल भौकाल की राजनीति है। जनता की समस्याएं डूब रही हैं।

## हरियाणा में भाजपा के शासन में बेरोजगारी दर तीन गुना बढ़ी : हुड्डा

कांग्रेस नेता दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में बेरोजगारी दर तीन गुना बढ़ गई है और इस ''भयावह'' स्थिति के लिए मनोहरलाल खट्टर के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। कांग्रेस नेता ने यहां एक बयान में कहा कि केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री रामेश्वर तेली ने बृहस्पतिवार को संसद में एक प्रश्न के जवाब में कहा था कि हरियाणा में 2013-14 में (कांग्रेस के शासन में)

बेरोजगारी दर 2.9 प्रतिशत थी, जो 2021-22 में बढ़कर नौ प्रतिशत हो गई है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पुत्र दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर बेरोजगारी दर को देखें तो यह 4.1 प्रतिशत है जो हरियाणा में बेरोजगारी दर के आधे से भी कम है। उन्होंने कहा, हरियाणा तीन ओर से राष्ट्रीय राजधानी से घिरा है, इस तथ्य के बावजूद इस तरह की भयावह स्थिति है। हरियाणा एकमात्र ऐसा राज्य है जहां बेरोजगारी दर भाजपा के शासन में तीन गुना बढ़ी है।'हुड्डा ने कहा कि हरियाणा ने पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात जैसे राज्यों को भी पीछे छोड़ दिया है।

## शिवराज ने एमपी को झूठ की राजधानी बनाया : कमलनाथ

जनाक्रोश रैली को संबोधित करते हुए कमलनाथ ने सिंधिया और शिवराज पर हमला किया है। उन्होंने कहा है कि मैं महाराजा नहीं हूं और मैं मामा नहीं हूं। शिवराज सिंह चौहान ने एमपी को झूठ की राजधानी बना दी है। इन्होंने सभी से झूठ बोला है। दलितों और महिलाओं से झूठ बोला है। गौ माता को भी झूठ बोला है। शिवराज सिंह चौहान ने झूठ का पहाड़ खड़ा कर दिया है। मध्यप्रदेश में घोषणाओं की मशीन है। एमपी में यह मशीन डबल स्पीड से चल रही है। यह चुनाव एक उम्मीदवार और पार्टी का नहीं, यह मध्यप्रदेश का भविष्य तय करेगा। कमलनाथ ने कहा

कि हमें मध्यप्रदेश की भविष्य को सुरक्षित रखना है। हमें ग्वालियर-चंबल के ईमानदार मतदाताओं पर भरोसा है। आपलोग अगर सच्चाई का साथ देंगे तो हम के भविष्य को सुरक्षित करेंगे। वोटों की गिनती जब होगी तो सबसे ज्यादा वोट ग्वालियर चंबल पर होंगे। आप सभी के खून पर विश्वास है। नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने सिंधिया परिवार पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा है कि हमें इस परिवार को सबक सिखाना है। सिंधिया परिवार ने गरीबों की जमीन हड़पी है। डॉ गोविंद सिंह ने कहा कि हमारी सरकार आएगी तो हम इसकी जांच करवाएंगे।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# खाद्य सुरक्षा मानक बनाने की जरूरत

**सार्वभौमिक के साथ-साथ देश केंद्रित सुरक्षा मानक बनाने के लिए सरकार तैयारी कर रही है। खाद्य सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा और विचार-विमर्श के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की निर्णय लेने वाली संस्था विश्व स्वास्थ्य सभा की तर्ज पर एक वैश्विक मंच बनाने पर भी जोर दिया गया। इस बाबत एक इस दो-दिवसीय सम्मेलन का आयोजन भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने हली बार किया है।**

*इस समय भारत में जीवन शैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैल रही है। इस तरह की बीमारियों के होने का कारण आधुनिक खान-पान भी है। लोगों को अपने शरीर के स्वास्थ्य से जुड़े इस बेहद गंभीर मामले में लापरवाही करना ठीक नहीं है। अब इस मुद्दे पर सरकार भी सक्रिय हो गई है। इस बाबत केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने के लिए खाद्य सुरक्षा मानक बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जिस तरह आदतों से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं जिस तरह हमें भोजन में मिलावट देखने को मिल रही है और जिस तरह से असंतुलित पोषक तत्व हमारे भोजन का हिस्सा बन रहे हैं उस पर व्यापक चर्चा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संतुलित सुरक्षित व पौष्टिक भोजन प्रिवेंटिव केयर के रूप में कार्य करता है। मांडविया ने घरों में रसोई और योग के महत्व पर जोर दिया है।*

*आजकल असंतुलित पोषक तत्व हमारे भोजन का बन रहे हिस्सा जो हानिकारक हैं। सार्वभौमिक के साथ-साथ देश केंद्रित सुरक्षा मानक बनाने के लिए सरकार तैयारी कर रही है। खाद्य सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा और विचार-विमर्श के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की निर्णय लेने वाली संस्था विश्व स्वास्थ्य सभा की तर्ज पर एक वैश्विक मंच बनाने पर भी जोर दिया गया। इस बाबत एक इस दो-दिवसीय सम्मेलन का आयोजन भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने हली बार किया है। इसमें 40 से अधिक देशों के खाद्य नियामक विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे। इस चर्चा के आधार पर हर देश अपनी रणनीति, पाठ्यक्रम और मानक तैयार कर सकता है। संतुलित, सुरक्षित व पौष्टिक भोजन प्रिवेंटिव केयर के रूप में कार्य करता है और हमारे स्वास्थ्य व कल्याण को सुनिश्चित करता है। सुरक्षित भोजन और अच्छा स्वास्थ्य एक दूसरे के पूरक हैं। किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए प्रिवेंटिव केयर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वैश्विक खाद्य नियामकों से मानक बनाते समय जलवायु, मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पौधों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखने को कहा। हालांकि समय-समय पर सरकार ऐसी योजनाएं लाती रहती हैं जिससे मनुष्य पर ज्यादा प्रभाव न पड़े यदि वह प्रभावित हो भी जाए तो तत्काल उसको उपचार मिल जाए। पर देखने में यह आता है कि जीवन शैली संबंधित बीमारियां को जीवनशैली में सुधार कर के ही उनसे बचा जा सकता है।*

( इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं )

# रोजगार के अवसर रोकेंगे गरीबी की रफ्तार

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 11 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) द्वारा वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) की रिपोर्ट जारी की गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में पिछले 15 वर्षों में गरीबी में उल्लेखनीय रूप से कमी आई है। भारत में 2005-2006 से 2019-2021 के दौरान कुल 41.5 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। 2005-2006 में जहां गरीबों की आबादी 55.1 प्रतिशत थी वह 2019-2021 में घटकर 16.4 प्रतिशत हो गई।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2005-2006 में भारत में लगभग 64.5 करोड़ लोग गरीबी की सूची में शामिल थे, यह संख्या 2015-2016 में घटकर लगभग 37 करोड़ और 2019-2021 में कम होकर 23 करोड़ हो गई। खास बात यह है कि भारत में सभी संकेतकों के अनुसार गरीबी में गिरावट आई है। सबसे गरीब राज्यों और समूहों, जिनमें बच्चे और वंचित जाति समूह के लोग शामिल हैं, ने सबसे तेजी से प्रगति हासिल की है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पोषण संकेतक के तहत बहुआयामी रूप से गरीब और वंचित लोग 2005-2006 में 44.3 प्रतिशत थे जो 2019-2021 में कम होकर 11.8 प्रतिशत हो गए। इस दौरान और बाल मृत्यु दर 4.5 प्रतिशत से घटकर 1.5 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार खाना पकाने के ईंधन से वंचित गरीबों की संख्या भारत में 52.9 प्रतिशत से गिरकर 13.9 प्रतिशत हो गई है। वहीं स्वच्छता से वंचित लोग जहां 2005-2006 में 50.4 प्रतिशत थे उनकी संख्या 2019-2021 में कम होकर 11.3 प्रतिशत रह गई है। पेयजल के पैमाने की बात करें तो उक्त अवधि के दौरान बहुआयामी रूप से गरीब और वंचित लोगों का प्रतिशत 16.4 से घटकर 2.7 हो गया। बिना बिजली के रह रहे लोगों की संख्या 29 प्रतिशत से 2.1 प्रतिशत और बिना आवास के गरीबों की संख्या 44.9 प्रतिशत से गिरकर 13.6 प्रतिशत रह गई है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत सहित 25 देशों ने भी अपने यहां गरीबों की संख्या में कमी की है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत उन 19 देशों की लिस्ट में शामिल है जिन्होंने 2005-2006 से 2015-2016 की अवधि के दौरान अपने वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) मूल्य को आधा करने में

सफलता हासिल की। गौरतलब है कि विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा प्रकाशित पॉलिसी रिसर्च पेपर्स में भी यह कहा गया है कि भारत में हाल ही के वर्षों में आर्थिक चुनौतियों के बीच गरीबी घटी है। विश्व बैंक के रिसर्च पेपर में गरीबी में गिरावट आने के कई महत्वपूर्ण कारण बताए गए हैं। कहा गया है कि भारत में गरीबों के सशक्तीकरण की कल्याणकारी योजनाओं से गरीबी में कमी आई। असंगठित कामगारों (कैजुअल वर्कर्स) की दिहाड़ी में अधिक बढ़ोतरी हुई। आईएमएफ द्वारा प्रकाशित रिसर्च पेपर में कहा गया है कि सरकार के पीएमजीकेएवाई के तहत मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने कोविड-19 की वजह से लगाए गए लॉकडाउन के प्रभावों की गरीबों पर मार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है और इससे अत्यधिक गरीबी में भी कमी आई है। निःसंदेह भारत में वर्ष 2014 से लागू की गई डीबीटी योजना देश में गरीबी कम करने में एक वरदान की तरह दिखाई दे रही है। भारत में डीबीटी से कल्याणकारी योजनाओं के जरिए महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों और कमजोर वर्ग के लोगों को अकल्पनीय फायदा हो रहा है। जहां कोरोनाकाल में 80 करोड़ लोगों का डिजिटल राशन प्रणाली से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत खाद्यान्न निःशुल्क दिया गया, वहीं अब विगत एक जनवरी, 2023 से 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को हर महीने खाद्यान्न निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत आने वाली देश की दो-तिहाई आबादी को राशन प्रणाली के तहत मुफ्त में अनाज देने की पहल दुनियाभर में रेखांकित की जा रही है।

2023 में वर्षभर गरीबों की खाद्य सुरक्षा तथा मुफ्त अनाज का वितरण गरीबी में कमी लाने का अहम उपाय दिखाई दे रहा है। वस्तुतः देश का कृषि उत्पादन देश के गरीबों और अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा सहारा बन गया है। कृषि मंत्रालय के मुताबिक चालू कृषि वर्ष 2022-23 में 3305.34 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है। जो देश में अब तक रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन है। खाद्यान्न उत्पादन वृद्धि से गरीबों का सशक्तीकरण हो रहा है। डिजिटलीकरण के तहत जिस तरह आधार ने लीकेज को कम करते हुए लाभार्थियों को भुगतान के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-डीबीटी) में मदद की है, उससे भी गरीबों का सशक्तीकरण हुआ है।

# व्यवस्थात्मक रुग्णता झेल रहे स्वास्थ्य केंद्र

दीपिका अरोड़ा

काया व कार्यक्षमता में परस्पर गहरा संबंध है। काया रुग्ण हो तो न केवल कार्यक्षमता दुष्प्रभावित होगी अपितु समूची दिनचर्या भी गड़बड़ा जाएगी। इसी के दृष्टिगत स्वास्थ्य कार्यबल देश के सर्वाधिक महत्वपूर्ण संसाधनों में से एक माना गया है। निःसंदेह विगत कुछ वर्षों के दौरान देश ने चिकित्सीय क्षेत्र में प्रशंसनीय उपलब्धियां प्राप्त कीं, बावजूद इसके भारतीय चिकित्सा प्रणाली राष्ट्रीय स्तर पर कार्यबल की भारी कमी एवं इसके असमान वितरण संबंधी समस्या का निराकरण नहीं कर पाई। ज्वलंत प्रमाण हैं हरियाणा में कैथल जिले के अंतर्गत आने वाले आठ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिन्हें विभिन्न प्रकार की चिकित्सीय अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है। कहीं चिकित्सा अधिकारियों से लेकर डेंटल सर्जन, औषधाकार, स्टाफ नर्स आदि का अभाव खटक रहा है तो कहीं पर्याप्त मात्रा में समुचित दवाइयां न मिल पाने की खबरें हैं।

केवल हरियाणा ही नहीं, लगभग सभी राज्यों में कमोबेश यही स्थिति है। विशेषकर भारतीय चिकित्सा व्यवस्था ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में एमओ को आकर्षित करने एवं बनाए रखने में काफी हद तक विफल रही है। समग्र आंकड़ों के अनुसार, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में एमओ के लिए रिक्ति दर लगभग 21 प्रतिशत है। 'रूरल हेल्थ स्टेटिस्टिक्स 2021-22' की रिपोर्ट के मुताबिक, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 39,669 चिकित्सकों की आवश्यकता होने पर भी 9451 पद रिक्त हैं। ग्रामीण भारत में 9,742 प्राथमिक केंद्रों का अभाव पाया गया। गौरतलब है, भारतीय संविधान का अनुच्छेद 47, पोषण व जीवन स्तर को बढ़ाने तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करने हेतु राज्य संबंधी निर्देश देकर सरकार की प्रतिबद्धता को स्थापित करता है। सभी नागरिकों को ससम्मान, गरिमापूर्वक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान के मद्देनजर ही 'भारतीय लोक स्वास्थ्य मानक' निर्धारित किए गए। वर्ष 2005 में, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) स्वास्थ्य के व्यापक सामाजिक कारकों व निर्धारकों को संबोधित करते हुए लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से जवाबदेह और उत्तरदायी, सस्ती व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सम्बन्धी सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किया गया था। वस्तुतः स्वास्थ्य नैतिक व संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा हुआ विषय माना गया।

हालांकि, हरियाणा में नए मेडिकल कॉलेज खोले जाने संबंधी घोषणा हो चुकी है तथापि स्टाफ उपलब्धता का विषय अभी तलक सवालिया घेरे में है। विभागीय विज्ञप्ति अनुसार, प्रांत की जनसंख्या के लिहाज से 10,000 डॉक्टरों की जरूरत होने पर भी केवल 4,000 डॉक्टर उपलब्ध हैं। 'हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसेज एसोसिएशन' के मुताबिक, राज्य लगभग 800 डॉक्टरों तथा 3,500 कैडर की कमी से जूझ रहा है।

अपने नागरिकों को सर्वस्तरीय सस्ता उपचार उपलब्ध करवाना सरकारों का नैतिक कर्तव्य है। क्षेत्र निवासियों को प्राथमिक उपचार हेतु लंबी दूरी न नापनी पड़े, इसी के मद्देनजर प्रत्येक प्रांत में सामान्यतः 20 हजार की आबादी पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोला जाता है। कैथल जिले के अधीनस्थ आठ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में से प्रत्येक के जिम्मे पांच से दस गांव लोगों के इलाज का दायित्व बनता है किंतु यदि न स्टाफ पूरा हो, न ही अपेक्षित दवाइयां तो भला उपचार कैसे संभव होगा? भारत में एमबीबीएस दाखिला प्राप्ति हेतु प्रतिवर्ष आयोजित नीट परीक्षा में प्राप्त रैंक के आधार पर ही छात्रों को कॉलेज तथा कोर्स आवंटित किए जाते हैं। सीमित सीटों के चलते, चुनींदा छात्र ही अच्छे सरकारी कॉलेज में प्रवेश पाने हेतु सफल हो पाते हैं। नौकरी मिलने पर भी हालात कम चुनौतीपूर्ण नहीं होते। सरकारी चिकित्सकों के अनुसार, क्लास वन अधिकारी होने के बावजूद सुविधाएं उसके अनुरूप नहीं मिल पातीं। रेखांकित अनेकानेक कारणों में असंतोषजनक कामकाजी परिस्थितियां, असंतुलित डॉक्टर-मरीज अनुपात के कारण काम का भारी बोझ, असुरक्षित वातावरण, निजी अस्पतालों की तुलना में कम वेतनमान, वीआईपी ड्यूटी तथा मेडिको-कानूनी मामले आदि शामिल हैं। शिकवा यह भी है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत काम करने वाले संविदा डॉक्टरों को नियमित डॉक्टरों की तुलना में डेढ़ गुणा अधिक वेतन मिलता है।

यही कारण है, अधिकतर डॉक्टर अपनी पहचान स्थापित करने के पश्चात, निजी तौर पर प्रैक्टिस को अधिमान देते हैं अथवा बेहतर भविष्य की आशा में अन्य संस्थानों की ओर रुख करना सही समझते हैं। युवाओं द्वारा उच्च अध्ययन या विशेषज्ञता हासिल करने की मंशा से सीट मिल जाने पर नौकरी छोड़ देना भी बढ़ती कमी में इजाफा होने का एक बड़ा कारण है। कारण चाहे जो भी हों खमियाजा अंततः आम जनता को ही भुगतना पड़ता है, कभी निजी संस्थानों की मुंहमांगी फीस चुकाकर तो कभी समयानुकूल समुचित उपचार के अभाव में अनमोल जीवन गंवाकर। सरकारी नौकरी से चिकित्सकों का पलायन रोकना हो अथवा भर्ती पदों की संख्या बढ़ाना; आधारभूत ढांचे में अपेक्षित सुधार लाए बिना लक्ष्य प्राप्ति संभव नहीं। विचारणीय है, स्वयंमेव व्यवस्थात्मक रुग्णता झेल रहे स्वास्थ्य केंद्र रोगियों का उपचार कैसे करेंगे? मुद्दा जब राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से जुड़ा हो तो सरकार का समाज के प्रति उत्तरदायित्व गंभीर बन जाता है।

# जिंदगी का जंजाल
## दिमागी सुकून बेहद जरूरी

महिलाएं मल्टीटास्किंग होती हैं, इसलिए उनका मस्तिष्क अत्यधिक काम करता है। यदि आपको भी ऐसा लगता है तो इसका मतलब है कि आपका दिमाग लाल झंडी दिखा रहा है और आपसे कुछ जगह खाली करने की मांग कर रहा है। अलमारियों की तरह हमारे दिमाग को भी समय-समय पर साफ-सफाई की जरूरत होती है। प्रेरक और कुशल बने रहने के लिए सभी गैर-जरूरी मानसिक बोझ से छुटकारा पाना जरूरी है। दिमाग को शांत रखने के लिए कुछ सरल, मगर बेहद प्रभावी युक्तियां मौजूद हैं। सुकून के पल जीने और मानसिक बोझ से बचने के लिए महिलाएं विभिन्न प्रकार के कामों को अपने जीवन में शामिल कर सकती हैं। याद रखें, हर किसी का सफर अनोखा होता है और आप अपनी परिस्थिति के अनुसार इन तरीकों का पालन कर अपनी मुश्किलें कम कर सकती हैं।

### प्राकृतिक मूड बूस्टर

मानसिक परेशानी से बचने के लिए आप खुद को भी समय दें। ऐसी गतिविधियों को प्राथमिकता दें, जो आराम को बढ़ावा देती हैं, जैसे कि ध्यान, योग और हल्के व्यायाम। नियमित व्यायाम से कई मानसिक स्वास्थ्य लाभ होते हैं। शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने से एंडोर्फिन रिलीज होता है, जो प्राकृतिक मूड बूस्टर है। अपने रोजमर्रा की दिनचर्या में रचनात्मक कार्यों को भी शामिल करें। खुद को लेखन, पेंटिंग, नृत्य और संगीत में लगाए रखें। इससे तनाव कम होता है।

### 'न' कहना सीखें

सीमाएं निर्धारित करना सीखें और आवश्यकता पड़ने पर 'न' कहना सीखें। यह आपकी मानसिक और भावनात्मक ऊर्जा को संरक्षित करेगा। इसके अलावा अपने विचारों और भावनाओं के प्रति आलोचनात्मक न होकर खुद को शांत रखें। अपने समय को प्रभावी ढंग से मैनेज करने के लिए कार्यों की सूची बनाएं। डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल करें। इससे हर तरह के हालात पर नियंत्रण को बढ़ावा मिलेगा और तनाव कम होगा।

### तकनीक से दूरी

सूचनाओं के मकड़जाल से बचने के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक लें। समाचारों, सूचनाओं और ऑनलाइन खबरों के लगातार संपर्क में रहने से मानसिक थकान हो सकती है।

### एक सपोर्ट नेटवर्क

मन की संतुष्टि के लिए जो कुछ आप कर सकते हैं वह करें क्योंकि मन शांत रहता है तो शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और काम में मन लगा रहता है। मन की शांति के लिए आप कई काम कर सकते हैं जैसे मित्रों, परिवार या साथियों के साथ एक सपोर्ट नेटवर्क से जुड़ें। इस नेटवर्क के जरिए अपनी मुश्किलों को उनके साथ साझा करें ऐसा करने से मानसिक बोझ कम होता है और मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है। इसके अलावा अपने आस-पास ऐसे सकारात्मक और सहयोगियों को रखें, जो आपको आगे बढ़ने में मदद करें और आप को आगे बढ़ने में प्रेरित करें। इसके अलावा जीवन के सकारात्मक पहलुओं को याद करते हुए उन सहयोगियों का आभार भी जताना चाहिए जिनके साथ आपने समय बिताया और उनसे कुछ राहत मिली। इससे संतुष्टि और शांति मिलेगी।

## हंसना मना है

मंटू- अरे मोनू तू इतना मोटा कैसे हो गया? चंटू- हमारे घर में फ्रिज नहीं है न। मंटू- तो चंटू- कुछ बचा नहीं सकते, सब खाना पड़ता है।

नंदू- यार कुछ पैसे उधार दे दे। पप्पू- क्या हुआ यार सब ठीक ठाक, नंदू- बीवी की उधार चुकानी है। पप्पू- मतलब, नंदू- मुसीबत में भी बीवी से कभी पैसे उधार लिए थे। लेकिन अब समझ आ गया कि कभी भी बीवी से पैसे उधार नहीं लेने चाहिए। मैंने दो साल पहले 30 हजार लिए थे! 50 हजार दे चुका हूं, अभी भी 30 बाकी हैं, पता नहीं कौन सा हिसाब लगाती हैं।

बिट्टू ऑफिस में लेट पहुंचा। बॉस- कहां थे अब तक? बिट्टू - जी वो गर्लफ्रेंड को कॉलेज छोड़ने गया था, बॉस- शटअप, कल से ऑफिस टाइम से आना नहीं तो खैर नहीं, बिट्टू - ठीक है तो अपनी बेटी को खुद ही कॉलेज छोड़ देना। बॉस बेहोश!

डॉक्टर ने महिला को डाइटिंग टिप्स दिए, ऐसी चीजों से दूर रहें, जो तुम्हें मोटा बनाती हो। महिला-जैसे? डॉक्टर - जैसे कि वजन तोलने वाली मशीन, शीशा, तस्वीरें और सबसे जरूरी पतले दोस्त।

## कहानी | महात्मा जी की बिल्ली

एक महात्माजी अपने कुछ शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थे, एक दिन कहीं से एक बिल्ली का बच्चा रास्ता भटककर आश्रम में आ गया। महात्माजी ने उस भूखे प्यासे बिल्ली के बच्चे को दूध-रोटी खिलाया। वह बच्चा वहीं आश्रम में रहकर पलने लगा। लेकिन इससे महात्माजी को एक समस्या उत्पन्न हो गयी कि जब वे सायं ध्यान में बैठते तो वह बच्चा कभी उनकी गोद में चढ़ जाता, कभी कन्धे या सिर पर बैठ जाता। तो महात्माजी ने अपने एक शिष्य को बुलाकर कहा देखो मैं जब सायं ध्यान पर बैठू, उससे पूर्व तुम इस बच्चे को दूर एक पेड़ से बांध आया करो। एक दिन महात्माजी की मृत्यु हो गयी तो उनका एक प्रिय काबिल शिष्य उनकी गद्दी पर बैठा। वह भी जब ध्यान पर बैठता तो उससे पूर्व बिल्ली का बच्चा पेड़ पर बॉधा जाता। फिर एक दिन तो अनर्थ हो गया, बहुत बड़ी समस्या आ खड़ी हुयी कि बिल्ली ही खत्म हो गयी। सारे शिष्यों की मीटिंग हुयी, सबने विचार विमर्श किया कि बड़े महात्माजी जब तक बिल्ली पेड़ से न बॉधी जाये, तब तक ध्यान पर नहीं बैठते थे। अतः पास के गॉवों से कहीं से भी एक बिल्ली लायी जाये। काफी ढूंढने के बाद एक बिल्ली मिली, जिसे पेड़ पर बॉधने के बाद महात्माजी ध्यान पर बैठे। विश्वास मानें, उसके बाद जाने कितनी बिल्लियॉ मर चुकी और न जाने कितने महात्माजी मर चुके। लेकिन आज भी जब तक पेड़ पर बिल्ली न बांधी जाये, तब तक महात्माजी ध्यान पर नहीं बैठते हैं। कभी उनसे पूछो तो कहते हैं यह तो परम्परा है। हमारे पुराने सारे गुरुजी करते रहे, वे सब गलत तो नहीं हो सकते। कुछ भी हो जाये हम अपनी परम्परा नहीं छोड़ सकते। यह तो हुयी उन महात्माजी और उनके शिष्यों की बात। पर कहीं न कहीं हम सबने भी एक नहीं, अनेकों ऐसी बिल्लियॉ पाल रखी हैं। कभी गौर किया है इन बिल्लियों पर सैकड़ों वर्षो से हम सब ऐसे ही और कुछ अनजाने तथा कुछ चन्द स्वार्थी तत्वों द्वारा निर्मित परम्पराओं के जाल में जकड़े हुए हैं। ज़रुरत इस बात की है कि हम ऐसी परम्पराओं और अंधविश्वासों को अब और ना पनपने दें और अगली बार ऐसी किसी चीज पर यकीन करने से पहले सोच लें की कहीं हम जाने-अनजाने कोई अन्धविश्वास रुपी बिल्ली तो नहीं पाल रहे?

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

आपके व्यापार में जो आपके सहयोगी है वे आज आपकी सहायता कर सकते हैं और उससे आपको लाभ भी प्राप्त होगा। उच्च शिक्षा के लिए निवेश प्रवास कर सकते हैं।

**तुला**

आज आपको विविध क्षेत्रों से लाभ होने की संभावना हैं। आज कुछ ऐसा दिन है जब चीजें उस तरह नहीं होंगी, जैसी आप चाहते हैं। प्रतिद्वंद्वी काफी सक्रिय रहेंगे।

**वृषभ**

चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-विचार के बाद लें। प्रतिद्वंद्वी काफी सक्रिय रहेंगे। शुभ स्वास्थ्य हेतु योग और ध्यान को अपनाएं।

**वृश्चिक**

इस अवधि में नियोजित कार्य बहुत अधिक परिणाम नहीं दिखाएगा, किन्तु परिणाम जो भी हों, सकारात्मक होंगें। आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए दिन शुभ है।

**मिथुन**

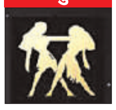

आज आपके सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं। आपको अपने कार्यों में बिजनेस पार्टनर से पूरा सहयोग मिलेगा। घर में किसी शादी समारोह का आयोजन हो सकता है।

**धनु**

आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। ऑफिस की तरफ से आप किसी बिजनेस मीटिंग के लिए बाहर जा सकते हैं। आपकी मीटिंग अच्छे से होगी।

**कर्क**

आज आत्मविश्वास और उम्मीदों वाला दिन है। बातचीत और भाषण में आप लोगों पर अपना प्रभाव जमा सकते हैं। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी।

**मकर**

आज परिवार और समाज में आपका महत्व बढ़ेगा। लोगों के प्रति अपने मन में बढ़ते हुए उतार-चढ़ाव को बेकाबू न होने दें। आपके कामकाज की तारीफ हो सकती है।

**सिंह**

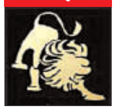

आप सरकार से किसी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से लाभ प्राप्त कर सकतें हैं। यदि आप समय पर अवसर का पूर्ण रूप से उपयोग कर लेते हैं।

**कुम्भ**

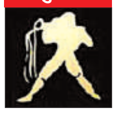

आपको नौकरी या काम-काज से जुड़े कई नए विकल्प मिल सकते हैं। हालाँकि, जल्दबाज़ी में निर्णय लेने से आपको बचना चाहिए। नाक, कान और गले से जुड़े रोगों से बचें।

**कन्या**

आज आप कुछ नए विचारों के साथ आगे बढ़ेंगे। आपके विचार दूसरों को भी प्रभावित करेंगे। कुछ सामाजिक लोग आपसे जुड़ना चाहेंगे।

**मीन**

आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। संचार सेवा और इंटरनेट से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन ज्यादा फायदा देने वाला हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

# मेरे लिए आसान था मां का किरदार : जेनेलिया

जेनेलिया डिसूजा की गिनती बॉलीवुड की जानी-मानी अदाकाराओं में होती है। एक्ट्रेस 21 जुलाई को रिलीज हुए फिल्म ट्रायल पीरियड में सिंगल मदर एना के किरदार में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ मानव कौल भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। एक मीडिया संस्थान के साथ हुई बातचीत में उनसे इस फिल्म और उनके किरदार के बारे में पूछा गया। इंटरव्यू के दौरान उनसे पूछा गया कि जब यह फिल्म आपको ऑफर हुई थी तब आपने क्या सोचा? जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि फिल्म का ऑफर मिलने के बाद मैं बहुत खुश थी। मुझे फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई थी। इस फिल्म में जेनेलिया एक बंगाली लड़की की भूमिका में दिखाई दे रही हैं। वहीं, उनसे जब उनके लुक के बारे में पूछा गया तो अभिनेत्री ने कहा, मुझे बंगाली महिलाएं बेहद आकर्षक लगती हैं। मैं इस रोल को निभाकर बहुत खुश थी। मेरे निर्देशक अलेया सेन ने मुझे इसके बारे में बताया कि वे कैसी हैं, उनकी विशेषताएं कैसी हैं, वे घर पर क्या-क्या छोटी-छोटी चीजें करती हैं। मैं बहुत उत्सुक थी क्योंकि मैं अपने किरदारों को क्षेत्रीय आधार पर जानना पसंद करती हूं। वहीं, अभिनेत्री ने अपने को-स्टार मानव कौल के बारे में बताते हुए कहा, मानव के साथ सेट पर काफी अच्छा रिलेशन रहा। हम दो अलग-अलग दुनिया से आते हैं, लेकिन हमारे बीच बहुत अच्छा संबंध है। वो एक बेहतरीन एक्टर हैं। फिल्म में सिंगल मां के किरदार के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, मैं निश्चित रूप से सोचती हूं कि फिल्म में मां का किरदार निभाना मेरे लिए आसान था। मुझे लगता है कि केवल एक मां ही जीवन की दिनचर्या और छोटी-छोटी बातों को समझ सकती है। मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी असल जिंदगी में जिस दौर से गुजर रही हूं।

# वीडी-13 में दिखेगी विजय संग मृणाल ठाकुर की रोमांटिक जोड़ी

मृणाल ठाकुर अपनी अगली फिल्म हाय नन्ना की तैयारी कर रही हैं, साथ ही वह फिल्म वीडी 13 में विजय देवराकोंडा के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। अपने सह-कलाकार की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि हर गुजरती फिल्म के साथ अर्जुन रेड्डी ने यादगार किरदार दिए हैं।

हाल ही में उन्होंने विजय के साथ अपनी अगली तेलुगु फिल्म की घोषणा की। उन्होंने साउथ के नानी और दुलकर सलमान के साथ काम किया है। मृणाल ने कहा कि इतने विविध अभिनेताओं के साथ काम करने का मौका मिलना एक अवास्तविक एहसास है। उन्होंने कहा, जब मैंने सीता रामम पर काम करना शुरू किया तो दक्षिण फिल्म उद्योग के लोगों ने गर्मजोशी और प्यार से मेरा स्वागत किया। इंडस्ट्री में बेहतरीन कलाकार हैं। उन्होंने कहा कि मैं आभारी हूं कि मुझे उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिल रहा है। अभिनेत्री ने कहा, दुलकर, नानी और विजय अलग-अलग तरह के अभिनेता है। सेट पर मेरे लिए कभी भी सुस्त दिन नहीं होता। जो प्यार मुझे सीता रामम के लिए मिला, मुझे उम्मीद है कि वही प्यार मुझे मेरी आने वाली फिल्मों हाय नन्ना और वीडी13 के लिए भी मिलेगा।

विजय के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैं विजय के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं क्योंकि मैं जानती हूं कि हम अभिनेता के रूप में एक-दूसरे से सीख सकते हैं। फिलहाल हमने तैयारी शुरू कर दी है और फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। विजय के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने को लेकर मैं उत्साहित हूं।

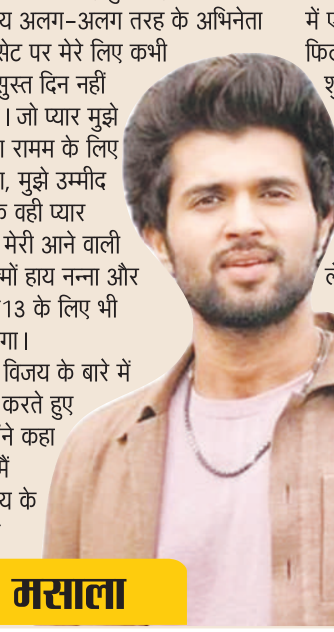

## वीडी-13 की जल्द शुरू होगी शूटिंग

उन्होंने कहा, स्क्रीन पर वह चाहे जो भी भूमिकाएं निभाते हों, कैमरे के सामने उनकी अद्भुत क्षमता है। हर गुजरती फिल्म के साथ उन्होंने ऐसे यादगार किरदार दिए हैं जो हमारी यादों में बस गए हैं, चाहे वह अर्जुन रेड्डी में डॉ. अर्जुन रेड्डी देशमुख हों या महानती में विजय एंथोनी। वीडी-13 की टीम जल्द ही शूटिंग शुरू करने वाली है।

बॉलीवुड | मसाला

# ये है चाहतें में प्रविष्ट मिश्रा ने ली शानदार एंट्री

स्टारप्लस हमेशा अपने दर्शकों के लिए मजेदार और दिलचस्प कंटेंट लेकर आया है। ऐसा ही एक शो है ये है चाहतें। ये है चाहतें ने अपने दिलचस्प और एंटरटेनिंग प्लॉट और कहानी के साथ अपने दर्शकों को टेलीविजन स्क्रीन से जोड़े रखा है। 2019 में शो की शुरुआत से लेकर अब तक यह शो टीआरपी चार्ट पर राज कर रहा है।

इस शो में दर्शकों ने कई ट्विस्ट और टर्न्स देखे हैं। शो में लीप के बाद, प्रविष्ट मिश्रा और शगुन शर्मा ने बतौर अर्जुन और काशवी के रूप में एंट्री की है, जिनके इर्द-गिर्द वर्तमान ट्रैक घूम रहा है। हाल के एपिसोड में दर्शकों ने अर्जुन की बुआ के बेटों को काशवी के साथ बुरा बरताव और बदसलूकी करते देखा। लेकिन अर्जुन एक हीरो की तरह एंट्री करता है और काशवी को इन विलेन्स से बचाता है। इसी के बारे में बात करते हुए प्रविष्ट मिश्रा उर्फ अर्जुन ने अपने दर्शकों से कहा, मैं हमारे किरदारों और उनकी यात्राओं के लिए आपके अटूट समर्थन और सराहना के लिए अपना दिल से आभार व्यक्त करता हूं। मैं विशेष रूप से एक खास स्टोरीलाइन पर रोशनी डालना चाहता हूं जिसने कई लोगों के दिलों को छू लिया है और वो है अर्जुन का अपने परिवार के भीतर विपरीत परिस्थितियों में अपनी पत्नी काशवी के लिए अटूट समर्थन। हाल के एपिसोड में, हमने एक ऐसी घटना देखी जहां काशवी के साथ मेरे अपने परिवार, खासकर के मेरी बुआ के बेटों द्वारा गलत व्यवहार किया गया। अर्जुन के रूप में, मैं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और पारिवारिक संबंधों का सामना करते हुए भी, जो सही है उसके लिए खड़े होने के महत्व पर जोर देना चाहता हूं।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

अजब-गजब | चीन के हुबेई प्रोविंस के ग्रामीण क्षेत्रों का मामला

# यहां सिर्फ एक दिन के लिए होती है शादी

दुनिया में अलग-अलग जाति और समुदाय लोग निवास करते हैं। सभी की अपनी अलग-अलग संस्कृतियां, रीति रिवाज और मान्यताएं होती हैं। हर जगह पर रहन-सहन से लेकर शादी-ब्याह तक के अपने रीति-रिवाज होते हैं। जातियों और समुदायों में पालन किए जाने वाले रीति रिवाजों और मान्यताओं का अलग-अलग महत्व होता है। हालांकि दुनिया में पालन की जाने वाली कई परंपराओं के बारे में जानकर हैरानी होती है। जब दो लोग शादी के बंधन में बंधते हैं, तो वो पूरा जीवन एक दूसरे का साथ निभाने की कसमे खाते हैं। हालांकि सबसे हैरानी वाली बात यह है कि दुनिया में एक ऐसी जगह है, जहां पर शादी सिर्फ घंटे के लिए होती है। भारत के पड़ोसी देश चीन के कुछ इलाकों में पुरुष सिर्फ 24 घंटे के लिए ही शादी करते हैं। यह जानकर आपको यकीन नहीं हो रहा है, लेकिन यह पूरी तरह सच है। आइए जानते हैं अनोखी शादी के बारे में...

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में गरीबी की वजह से जो लोग शादी के दौरान लड़की को तोहफे और पैसे नहीं दे पाते, उनकी शादी ही नहीं होती है। इसकी वजह से वह एक अनोखी शादी करते हैं। इससे वह सिर्फ शादीशुदा कहलाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के हुबेई प्रोविंस में खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे यानी एक दिन की शादी का चलन है। यहां कुछ लड़कों की गरीबी की वजह से शादी नहीं हो पाती है, तो मरने से पहले सिर्फ नाम के लिए शादी करते हैं।

बीते 6 सालों में यह चलन तेजी से बढ़ा है। ऐसी शादी कराने वाले शख्स ने बताया कि उनके पास कई पेशेवर दुल्हनें हैं, जो 40 हजार रुपये लेती हैं और शादी करती हैं। यह ज्यादातर बाहर की लड़कियां होती हैं और जिन्हें पैसे की जरूरत होती है। हुबेई के ग्रामीण क्षेत्र में माना जाता है कि इंसान को मौत के बाद फैमिली ग्रेवयार्ड में शादीशुदा होने पर ही दफनाया जाएगा। इसलिए गरीब पुरुष शादी करने के बाद अपने पुश्तैनी कब्रगाह पर दुल्हन को लेकर जाते हैं। वहां पर वह पूर्वजों को बताते हैं कि उनकी शादी हो चुकी है। ऐसा करने का बाद उस शख्स की जगह पक्की हो जाती है। आपको जानकर हैरानी होगी कि चीन में किराए पर गर्लफ्रेंड, बॉयफ्रेंड यहां तक कि माता-पिता भी मिलते हैं।

# पशुपतिनाथ मंदिर: यहां पूजा करने के लिए भक्तों को पहनने पड़ते हैं राजस्थानी वस्त्र

नागौर। नागौर की धरती पर विभिन्न प्रकार के चमत्कारिक मंदिर बने हुए है। आज ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो नागौर के मांझवास गांव में भगवान शिव का मंदिर बना हुआ है। जिसे पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर की स्थापना योगी गणेशनाथ के द्वारा बनवाया गया है। महंत स्वरुपनाथ महाराज बताते हैं कि इस मंदिर की स्थापना नेपाल नरेश से योगी गणेशनाथजी महाराज ने मुलाकात की उसके बाद नेपाल में बने पशुपति नाथ महादेव मंदिर के महंत नरहरिनाथ से अनुमति लेकर इस मंदिर की नींव रखी। इस मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा करने से पहले योगी गणेशनाथ द्वारा गंगा को जमीन मांझवास के पास स्थित गांव झुंझलाई में जमीन से निकाला तथा मंदिर में स्थापित शिवलिंग की स्थापना से पहले 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए घुमाया गया था। जिसमें 45 दिन लगे थे। उसके बाद मांझवास में 121 कुण्डीय यज्ञ किया गया। मांझवास में बना पशुपति नाथ महादेव का मंदिर की शिवलिंग अष्ट धातुओं से बनी हुई है। शिवलिंग के चारों तरफ महादेव जी प्रतिमा बनी हुई है। महंत स्वरुपनाथ महाराज ने बताया मंदिर में स्थित शिवलिंग का वजन 16 क्विंटल और 52 किलो है। यह शिवलिंग की स्थापना योगी गणेशनाथ महाराज के द्वारा की गई है। पशुपितनाथ महादेव के मंदिर के अनुसार ही यहां पर दिन में चार बार पूजा होती है। महंत स्वरुपनाथ महाराज बताते हैं कि यदि कोई भक्त यहां पर पूजा करवाता है तो उसके लिए राजस्थानी वस्त्र पहने होने चाहिए। पुरुष या महिला पूजा करवाते हैं तो पुरुष धोती कुर्ता व साफा पहना होना चाहिए और महिला पूजा करवाती है तो साड़ी या राजस्थानी वस्त्र पहना होना चाहिए।

# गलत लोगों के हाथ में जब सत्ता होगी तो गलत ही होगा : प्रियंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा मप्र में भाजपा की सरकार जाने वाली है कांग्रेस की सरकार आने वाली है। उन्होंने ग्वालियर में हुंकार भरी। सीएम शिवराज और सिंधिया को प्रियंका ने जमकर घेरा। उन्होंने पटवारी भर्ती परीक्षा में हुए घोटाले का मुद्दा भी उठाया। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि सत्ता की फितरत है, जैसे इंसान के हाथ में होती है, वैसा ही स्वाभाव होता है। सत्ता को गलत इंसान के हाथ में दे दो, तो इसी तरह की लूट मचेगी, जो आपके प्रदेश में हो रही है। अत्याचार उन्हीं पर होते हैं जो कमजोर होते हैं।

आदिवासियों के साथ कैसे अत्याचार किए जा रहे हैं। दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं। अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन हैं, और दूसरी तरफ खबरें भी हैं। सबसे ज्यादा विवेक जनता में होता है, जनता कभी गलत निर्णय नहीं लेती। अगले पांच सालों में क्या आप यही चाहते हैं, जो इन पांच सालों में हुआ है। जिनके पास सत्ता है, जो आप पर राज कर रहे हैं। घोटाले पर घोटाले कर-करके कमा रहे हैं।

**बोलीं-भाजपा जाएबे वाली है, कांग्रेस आएबे वाली है**

## एमपी में लागू होगी पुरानी पेंशन योजना

कांग्रेस आपके लिए कुछ वादे और कुछ गारंटी लाई है। हमारी जहां सरकार है, वहां हमने जो गारंटी दी वो निभाई जा रही है। चाहे आप कर्नाटक, राजस्थान में देखें तो जो वादे किए थे, वो निभाए जा रहे हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल में पुरानी पेंशन स्कीम लागू है। जब आप सरकारी नौकरी लेने जाते हैं, तो उसकी सबसे बड़ी बात क्या होती है, जीवन के लिए सुरक्षा, आपको पेंशन मिलेगी। लेकिन सरकारी कर्मचारियों को आज पेंशन नहीं मिलती। जहां कांग्रेस की सरकार है वहां पुरानी पेंशन लागू है। पुरानी पेंशन यहां भी लागू होगी। मेरी बहनों के खाते में सीधे 1500 रुपये डाले जाएंगे। गैस का सिलेंडर 500 रुपये में दिया जाएगा।

## जागरूक बने जनता सरकार से मांगे जवाब

बड़े-बड़े आलीशान महल हैं इनके, लेकिन आपके पास एक पाई नहीं बचती, क्योंकि आप जागरूक नहीं बने हैं। आपकी जागरूकता में कमी है, आप नेताओं से सही सवाल नहीं करते। आप क्यों नहीं पूछते 22 हजार घोषणाएं की इनमें से दो हजार भी पूरी कीं। ये जो बड़े-बड़े उद्योगपति हैं इनकी कितनी कमाई है। 16 सौ करोड़ रुपये एक दिन की कमाई है, जिनको ये देश की कंपनियां दे चुके हैं। मैं आपसे पूछना चाहती हूं कि आप एक ईमानदार सरकार चाहते हो की नहीं। आज प्रदेश के लाखों युवा बेरोजगार हैं। युवाओं के सपने तोड़ दिए हैं।

# जो दागदार, वह सभी इकट्ठे हो रहे : शिवराज

» कांग्रेस सरकार के योजना बंद करने पर प्रियंका जवाब दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता इतनी जबरदस्त है कि अलग-अलग राज्यों में एक दूसरे को पानी पी पीकर गाली देने वाले, कोसने वाले आपस में लड़ने वाले अब दिल्ली में दोस्ती इसलिए कर रहे हैं कि मोदी जी अगर रहे तो काले कारनामे जिन्होंने किए है, जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है वह किसी भी कीमत पर बचेंगे नहीं।

इसलिए जो दागदार है वह सभी इकट्ठे हो रहे हैं, प्रधानमंत्री जी के समर्थन की बाढ़ देखकर एक पेड़ पर बैठने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन अभी दूल्हा तो तय नहीं हुआ फूफा नाराज हो गए। आपने बीच में देखा होगा कि अभी नीतीश जी ने कहा यह इंडिया, मैं सहमत नहीं हूं कभी लालू कुछ कह रहे हैं। अभी बिना दूल्हे की बारात में फूफा नाराज हुए हैं, कल क्या होगा!

मध्य प्रदेश में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव है। इससे पहले नेताओं के दौरे शुरू हो गए है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी शुक्रवार को ग्वालियर दौरे पर आई। इस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सवाल पूछते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने गरीबो की योजनाओं को बंद क्यों किया, प्रियंका गांधी को इसका जवाब देना चाहिए? उन्होनें कहा कि प्रियंका जी मुस्कुराइए मध्य प्रदेश में क्योंकि प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। याद कीजिए वो दिन जब 2003 तक श्रीमान बंटाधार जी की सरकार हुआ करती थी ना पानी, ना बिजली, ना सड़के और सवा साल वो भी याद कीजिए जब किए गए वादे निभाए नहीं गए। कर्जमाफी हो, बेरोजगारी भत्ता हो, किसानों को समर्थन मूल्य के ऊपर बोनस देना हो एक भी वादा कांग्रेस ने पूरा नहीं किया था।

# कुछ दिन और उमस से होना पड़ेगा बेहाल

## पारा 30 के पार पहुंचा, यूपी में बारिश की रफ्तार थमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आषाद में जमकर बरसे बादल सावन में आग बरसा रहे है। जुलाई का पिछला पखवाड़ा गर्मी व उमस से लोगों को परेशान किए रखा है। राजधानी लखनऊ सहित पूरे यूपी में लोगों को धूप और उमस का सामना करना पड़ रहा है। दिन के साथ-साथ रात के तापमान में भी रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। समय से आए मानसून ने लोगों के मन में अच्छी बरसात और गर्मी से राहत की उम्मीद जगा दी थी। उस उम्मीद को थमी बारिश और चढ़ते पारे ने तोड़ दिया।

खासकर रात का पारा रिकॉर्ड बनाने लगा। बृहस्पतिवार की रात को न्यूनतम तापमान 30 पार जाकर 30.1 डिग्री दर्ज हुआ। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक, 8 जुलाई 2018 को न्यूनतम तापमान 30 डिग्री दर्ज हुआ था। पांच साल बाद ये रिकॉर्ड टूटा और शुक्रवार को पारा 30..1 डिग्री दर्ज हुआ। आने वाले दो दिन तक मौसम में कोई विशेष बदलाव के संकेत नहीं मिल रहे हैं। गर्मी का सामना इसी तरह से करना पड़ा सकता है। वहीं शुक्रवार को दिन का पारा 36.9 डिग्री रहा, बृहस्पतिवार को दिन का तापमान 37.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। मौसम विभाग के अनुसार कुछ रोज बाद ही मानसून के यूपी में लौटने के संकेत हैं। पहले पश्चिम यूपी में बारिश होने की संभावना है उसके बाद मानसून पूर्वी उत्तर प्रदेश की तरफ बढ़ेगा।

## पहाड़ों से मैदानी इलाकों तक आफत की बारिश

पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों तक बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो रखी है। महाराष्ट्र के कई इलाकों में मौसम विभाग ने आज फिर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुंबई में तो सड़कें तालाब बन गई हैं। वहीं, पालघर आज फिर रेड अलर्ट पर है। मौसम विभाग द्वारा भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी किए जाने के मद्देनजर पालघर और ठाणे में स्कूलों को शनिवार को बंद घोषित कर दिया गया है।

## दिल्ली यमुना में उफान बरकरार

दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने से लोगों की धड़कनें भी बढ़ने लगी हैं। शुक्रवार को तीसरी बार यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर पहुंच गया। शुक्रवार शाम को करीब छह बजे तीसरी बार यमुना का जलस्तर 205.38 मीटर के पार पहुंच गया है, जिससे यमुना के आस पास रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। बाढ़ प्रभावित लोग अभी अपने बचे खुचे सामान ठीक से सुखा भी नहीं पाए हैं कि इनके सर पर फिर से बाढ़ का खतरा मंड़राने लगा है। करीब एक हफ्ते से जलमग्न राजघाट परिसर से शुक्रवार को ही पानी निकाला गया है। पानी बढ़ने पर यमुना के करीब स्थित इस गहरी जगह पर फिर से पानी भरने का खतरा है।

# लखनऊ पहुंची वर्ल्ड कप ट्रॉफी आज और कल कर सकेंगे दीदार

फोटो : सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में अटल बिहारी वाजपेई इकाना स्टेडियम में शुक्रवार को वर्ल्ड कप ट्रॉफी का अनावरण किया गया। यूपीसीए के निदेशक युद्धवीर सिंह ने बताया कि पहली बार लखनऊ वर्ल्ड कप के पांच मुकाबलों की मेजबानी कर रहा है, जो कि प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है।

इन पांच मुकाबलों के आयोजनों को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां शुरू कर दी गई है। वहीं वर्ल्ड कप की ट्रॉफी को आम लोगों के लिए 23 जुलाई को लुलु मॉल में सुबह दस बजे से रात्रि साढ़े दस बजे तक रखा जाएगा। लुलु मॉल के प्रथम तल पर इसको रखा जाएगा, जिससे कि लखनऊ के लोग उसका दीदार कर सके। यूपीसी के अधिकारियों ने बताया कि अगले कुछ दिनों में ही वर्ल्ड कप के टिकटों की बिक्री शुरू हो जाएगी।

# 500वें टेस्ट में कोहली का 'विराट' शतक

» दिग्गज बैट्समैन ब्रैडमैन के 29 शतकों की बराबरी की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पोर्ट आफ लुईस। अपने 500वें अंतरराट्रीय मैच को यादगार बनाते हुए विराट कोहली ने टेस्ट करियर का 29वां शतक लगाया जिससे भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को यहां अपनी पहली पारी में 128 ओवर में 438 रन बनाये।

कोहली ने इसके साथ ही क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाज माने जाने वाले सर डॉन ब्रैडमैन के 29 टेस्ट शतकों की बराबरी कर ली। पिछले टेस्ट में शतक से चूकने वाले कोहली ने 206 गेंद की पारी में 121 रन बनाये। अंतरराष्ट्रीय करियर के अपने 76वें शतकीय पारी (टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 मिलाकर) के दौरान उन्होंने रविंद्र जडेजा (61) के साथ पांचवें विकेट के लिए 159 रन की साझेदारी कर भारत की मजबूत वापसी करायी। कोहली रन आउट हुए जबकि जडेजा को केमार रोच की गेंद पर विकेट के पीछे जोशुआ डा सिल्वा ने लपका।

**121 रनों की पारी खेली 206 गेंदों में**

## भारत की पहली पारी 438 रन पर सिमटी

लंच के बाद रविचंद्रन अश्विन (56) ने अर्धशतक जड़ने के साथ नीचले क्रम के बल्लेबाजों के साथ शानदार बल्लेबाजी कर टीम के स्कोर को 438 रन तक पहुंचाया। वह आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। उनके आउट होते ही अंपायरो ने चाय के विश्राम की घोषणा कर दी। उन्होंने इशान किशन (25) के साथ सातवें विकेट के लिए 33 और जयदेव उनादकट (सात) के साथ आठवें विकेट के लिए 23 रन की साझेदारी कर टीम को 400 रन के पार पहुंचाया। उन्होंने 78 गेंद की अपनी पारी में आठ चौके लगाये। वेस्टइंडीज के लिए रोच ने 104 और जोमेल वारिकन ने 89 रन देकर तीन-तीन विकेट लिये। जेसन होल्डर ने 57 रन देकर दो जबकि शैनन ग्रैब्रियल ने एक विकेट लिया। इससे पहले दिन का पहला सत्र पूरी तरह कोहली के नाम रहा। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाने में उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई।

# गोरखपुर विवि में गुरु-शिष्य के रिश्ते तार-तार

## छात्रों ने किया बवाल, पकड़ो...भाग रहे कुलपति, खूब चले लात-घूंसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। एक महीने से छात्रों व विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच चल रही रस्साकशी गोरखपुर में ऐसी टूटी की सारी मर्यादाएं लांघ गईं। शिक्षा के इस मंदिर में छात्रों ने अपने ही गुरु के साथ अभद्रता की। ये हतप्रभ करने वाली घटना गोरखपुर विश्वविद्यालय में शुक्रवार की दोपहर घटी। छात्र इतने उग्र हो गए और लात-घूंसे चलने लगे। फिर क्या, न कुलपति बचे और कुलसचिव न इन दोनों को बचाने के लिए आए सीओ व पुलिस ही बच पाई। सब पीटे, कोई कम, कोई ज्यादा।

ऐसा नहीं है कि छात्रों का गुस्सा अचानक भड़क गया। पिछले करीब एक महीने से विश्वविद्यालय प्रशासन व छात्र संगठन एबीवीपी के बीच रस्साकशी चल रही है। इसकी शुरुआत 26 जून को ही हो गई थी। छात्रों की फीस वृद्धि और परीक्षा परिणाम घोषित करने जैसे छात्रहित के मुद्दों को लेकर प्रशासनिक भवन में स्थित कुलपति कार्यालय के पास छात्र पहुंचे थे। वह कुलपति से मिलना चाहते थे, लेकिन गेट पर ही रोक लिया गया था।

### एबीवीपी से जुड़े लोगों का हंगामा

सुबह दस बजे एबीवीपी से जुड़े लोग भी आए और धरने पर बैठ गए। करीब डेढ़ घंटे तक अपने मुखिया (कुलपति) को बुलाने पर छात्र अड़े थे। इस बीच आए कुलपति सीधे अपने कार्यालय में जाकर बैठ गए। इस पर छात्रों का गुस्सा भड़का, मगर कुछ लोगों ने समझाया और एक बार फिर छात्र वहां से उठकर कुलपति कार्यालय के नीचे धरने पर बैठ गए। मांगों को दोहराया और कहा कि कुलपति जी आइए, हमारी बात सुन लीजिए, हम आप के ही छात्र हैं। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। बल्कि कुलपति कार्यालय से निकलकर सीधे गाड़ी की ओर जाना चाहते थे। उनका रुख देखकर छात्र भड़क गए और सारी हदें पार कर दीं। पीछे से एक आवाज लगाई... पकड़ो...पकड़ो.. फिर भाग रहे हैं कुलपति जी।

### पुलिस को करना पड़ा हस्तक्षेप

दोपहर 3.30 बजे कुलपति ने खुद निकलने से पहले पुलिस बुला ली थी। पहले एक गाड़ी पहुंची थी। फिर सीओ आ गए और देखते ही देखते परिसर में पुलिसवालों की भीड़ लग गई। छात्रों को पहले लगा कि पुलिस कुलपति से मिलाएगी, लेकिन पुलिसवालों की भीड़ से कुछ छात्रों ने अंदाजा लगा लिया था कि कुलपति जी सीधे चले जाएंगे। शाम 06.32 बजे हिरासत में लिए छात्र अर्पित की तबीयत खराब हो गई, आनन फानन अस्पताल भेजा गया।

फोटो:4 पीएम

**कार्यक्रम** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में ग्रामीण विकास, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रोजगार मेला 2023 कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

## नदी की बीच धारा में फंसी रोडवेज बस, बाल-बाल बचे 40 यात्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। बिजनौर जनपद में एक बार फिर से कोटावाली नदी का जलस्तर बढ़ गया है। वहीं, जलस्तर बढ़ने से कोटावाली नदी रपटे के बीच एक रोडवेज बस फंस गई है। बताया गया कि यह बस नजीबाबाद से हरिद्वार की ओर जा रही थी। इस रोडवेज बस में बड़ी संख्या में यात्री मौजूद हैं। भागूवाला क्षेत्र के कोटावाली नदी रपटे पर फंसी रोडवेज बस के सभी 40 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पोकलेन के माध्यम से सभी यात्रियों को नदी क्षेत्र से बाहर निकाला गया। अभी रोडवेज बस को बाहर निकालने का अभियान जारी है।

## कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं : योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की जनता से वृक्षारोपण जन अभियान-2023 के तहत कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की है। इस अभियान के तहत प्रदेश भर में 35 करोड़ पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि हमारे लिए पर्यावरण की रक्षा आस्था का विषय है। हमारे पास प्राकृतिक संसाधन हैं, क्योंकि हमारी पिछली पीढ़ियों ने इन संसाधनों की रक्षा की। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी ऐसा करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इन विचारों को आत्मसात करते हुए आज पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ थीम पर प्रारंभ हो रहे वृक्षारोपण जन अभियान-2023 के अंतर्गत प्रदेश में 35 करोड़ पौधे रोपने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य सहजीवन-सहअस्तित्व का संदेश देती अपनी सनातन संस्कृति के जीवनदायक मूल्यों से हमारे जुड़ाव को बढ़ाने का एक महा-अनुष्ठान भी है। अत: पर्यावरण संरक्षण व पारिस्थितिकी संतुलन को सुनिश्चित करते इस ईश्वरीय कार्य में आप सभी की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। आप सभी से अपील है कि आज कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और इस लोक-कल्याणकारी मुहिम को सफल बनाएं।

फोटो: सुमित कुमार

**विरोध प्रदर्शन** लखनऊ विश्वविद्यालय के बाहर समाजवादी छात्र सभा ने मणिपुर हिंसा को लेकर पीएम मोदी का पुतला फूंककर प्रदर्शन किया तो वहीं जनता दल यूनाइटेड की महिला समर्थकों ने हजरतगंज स्थित अपने कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया।

# अमृत महोत्सव में देश को और आगे ले जाने का लक्ष्य : मोदी

### 70 हजार युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

### 25 वर्ष में भारत को विकसित करने का लिया संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले में 70,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। यह भर्ती सरकारी विभागों और संगठनों में हुई है। पीएम ने इस मौके पर कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में जब देश विकसित होने के लक्ष्य पर काम कर रहा है, आपका सरकारी नौकरी में आना बहुत बड़ा अवसर है। ये आपके परिश्रम का परिणाम है। युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। उनके लिए यह यादगार दिन है, लेकिन इसके साथ देश के लिए भी यह बहुत ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि 1947 में आज के ही दिन (22 जुलाई) तिरंगे को संविधान सभा द्वारा वर्तमान स्वरूप में स्वीकार किया गया था। मोदी ने आगे कहा कि भारत सिर्फ 9 वर्षों में दुनिया की 10वीं अर्थव्यवस्था से 5वें नंबर की अर्थव्यवस्था बना गया है। आज हर विशेषज्ञ ये कह रहा है कि कुछ ही वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष 3 अर्थव्यवस्था में शामिल हो जाएगा। मोदी ने कहा कि आजादी के इस अमृतकाल में सभी देशवासियों ने अगले 25 वर्ष में भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। जैसे आपके जीवन में अगले 25 साल महत्वपूर्ण हैं वैसे ही भारत के लिए अगले 25 साल बहुत ही अहम हैं।

### पिछली सरकारों ने स्वार्थ में राष्ट्रहित नकारा

अर्थव्यवस्था में बैंकिंग सेक्टर की भूमिका का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि आज भारत उन देशों में से एक है, जहां का बैंकिंग सेक्टर सबसे मजबूत माना जाता है। मगर 9 वर्ष पहले ऐसी स्थिति नहीं थी। जब सत्ता का स्वार्थ राष्ट्रहित पर हावी होता है, तब कैसी बर्बादी होती है, इसके देश में कई उदाहरण हैं। पीएम ने कहा कि हमारी बैंकिंग सेक्टर ने तो पिछली सरकार के दौरान इस बर्बादी को महसूस किया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
**RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।